ऑफिसर बकिल और ग्लोरिया

पेगी राथमन

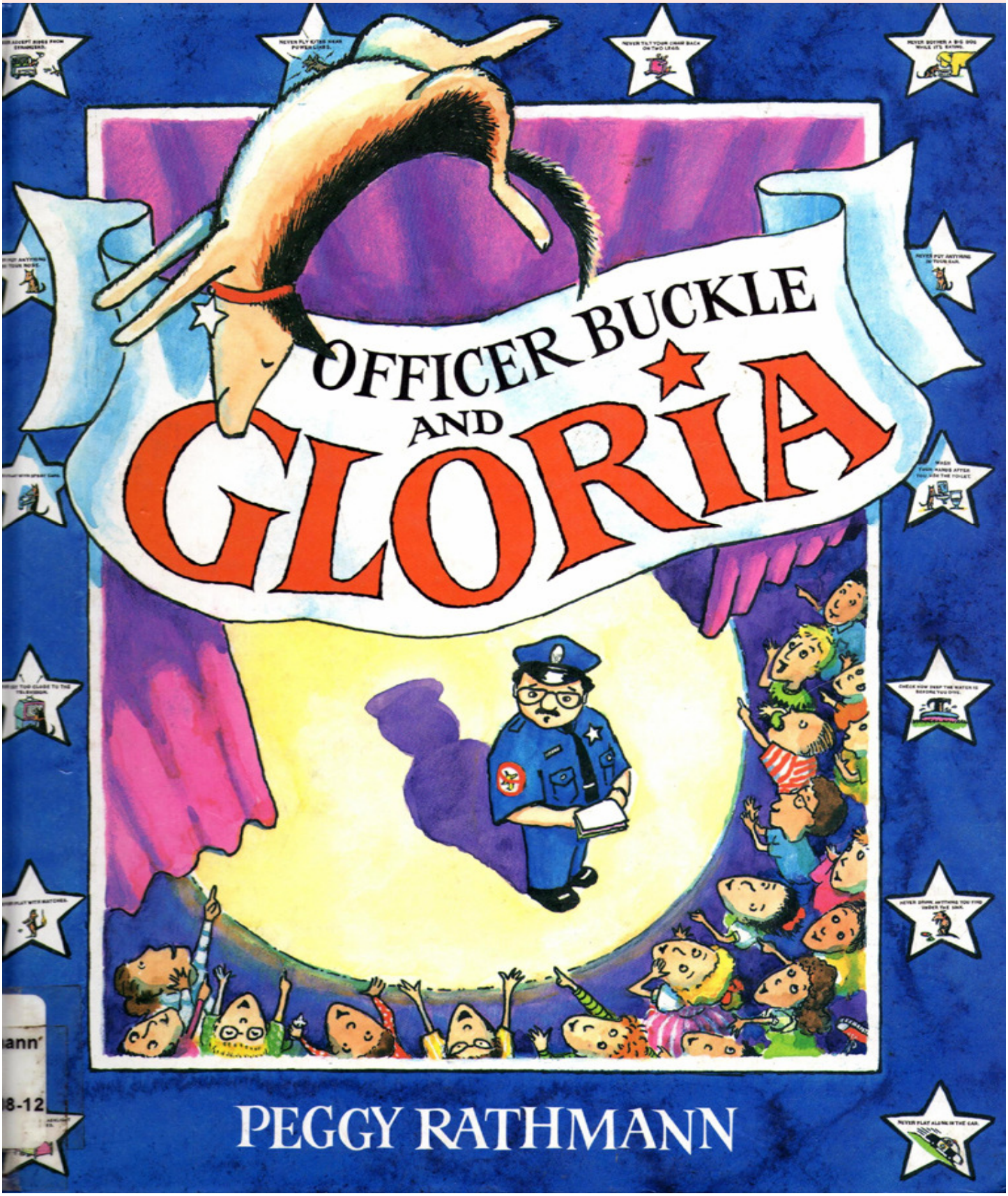

ड्रग्स को
“न” कहो.

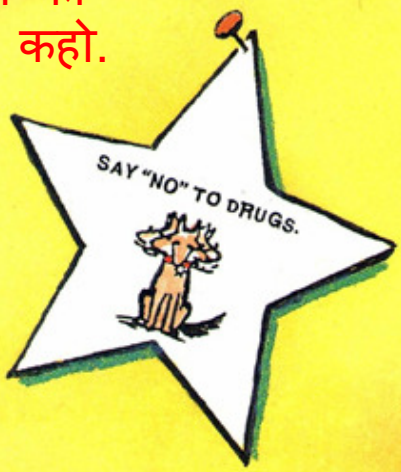

शौचालय जाने के
बाद अपने हाथ धो.

कान में कभी
कुछ मत डालो.

ट्रैफिक नियमों
का पालन करो.

अजनबियों का
यात्रा-न्योता स्वीकार
नहीं करो.

टेलीविज़न के
बहुत करीब
मत बैठो.

ख़राब, सडा खाना
मत खाओ.

ऑफिसर बकिल और ग्लोरिया

पेगी राथमन

हिंदी : विदूषक

OFFICER BUCKLE AND GLORIA

PEGGY RATHMANN

नम्बर 5 – माचिस से मत खेलो.

नम्बर 42 – गेंद को कभी सीढ़ियों पर मत छोड़ो.

नम्बर 41 – स्प्रे-पेंट से कभी मत खेलो.

नम्बर 23 – दूसरों की दवा कभी मत खाओ.

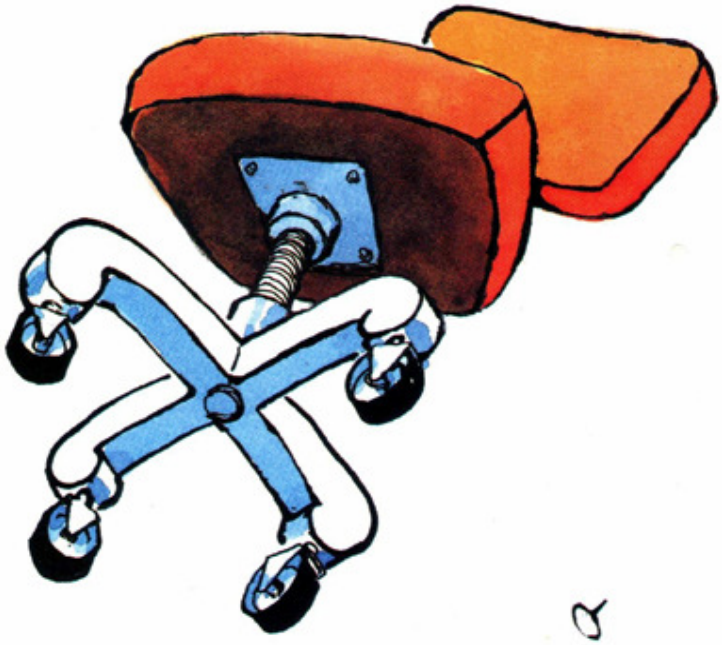

पूरे नपविल्ले शहर में, ऑफिसर बकिल को
सबसे ज्यादा सुरक्षा नियम पता थे.
जब कभी उन्हें कोई नया सुरक्षा नियम सूझता,
वो अपने बुलेटिन बोर्ड पर उसे पिन से चिपका देते.

सुरक्षा नियम नम्बर 77

पहियों वाली कुर्सी पर खड़े मत हो.

ऑफिसर बकिल इन सुरक्षा नियमों को,
नपविल्ले के स्कूली बच्चों को सिखाते थे.
कोई बच्चा, उनकी बात नहीं सुनता था.
अक्सर उनके लेक्चर में लोग खर्राटे भरते थे.

उसके बाद ज़िन्दगी दुबारा से, पुराने ढर्रे पर ही चलती थी.
प्रिंसिपल मिसेज़ टोपेल ने,
ऑफिसर बकिल के स्वागत के लिए लगा बैनर उतारा.
“कभी पहियों वाली कुर्सी पर मत खड़े हो,” ऑफिसर बकिल ने कहा.
पर मिसेज़ टोपेल उनकी बात सुन नहीं पायीं.

नपविल्ले स्कूल ऑफिसर बकिल का स्वागत करता है.

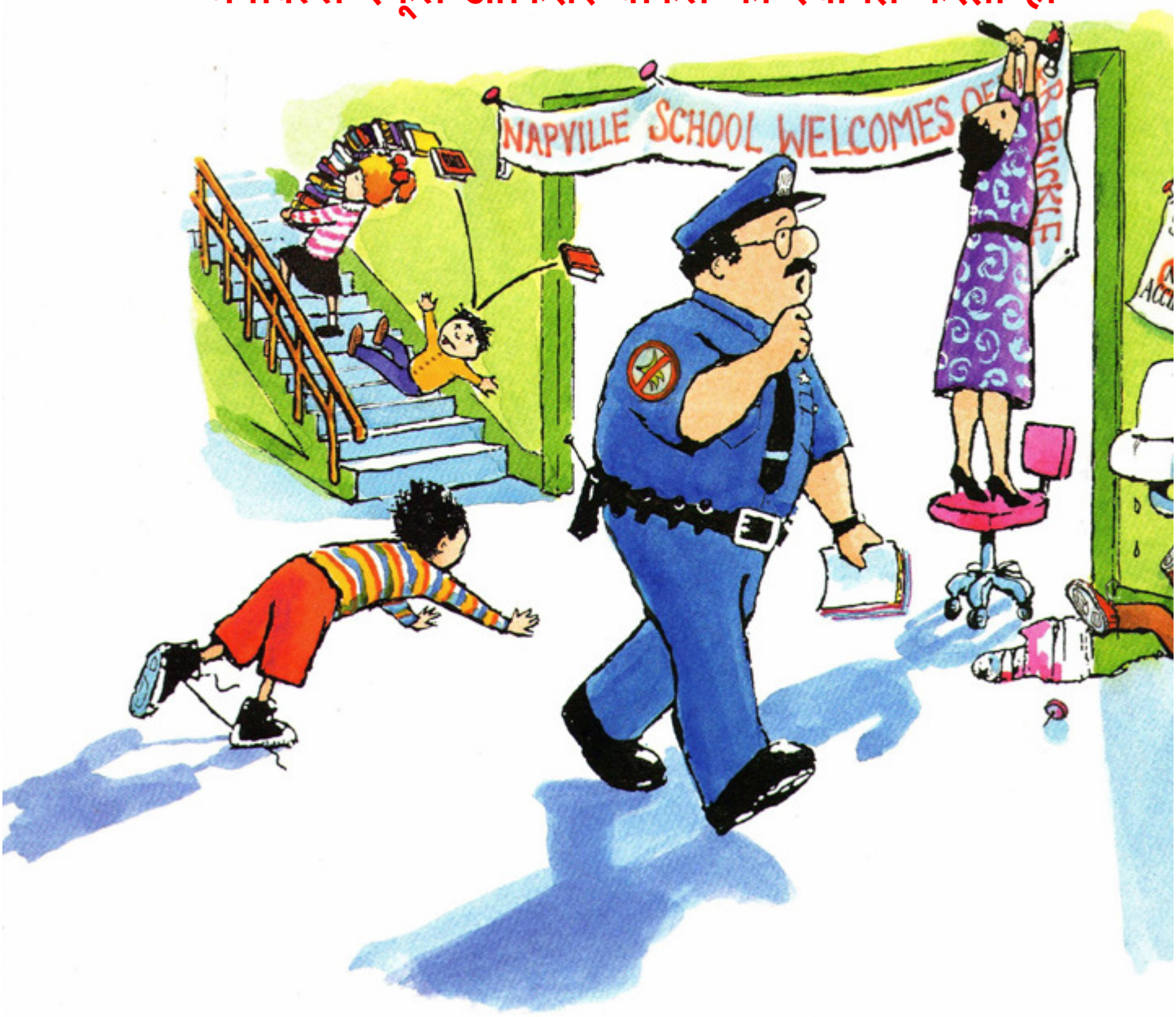

फिर नपविल्ले पुलिस डिपार्टमेंट ने,
एक विशेष पुलिस-कुत्ता खरीदा. उसका नाम था ग्लोरिया.
जब ऑफिसर बकिल स्कूल में सुरक्षा-भाषण देते,
तब ग्लोरिया भी उनके साथ जाती.

“बच्चों, यह ग्लोरिया है,” ऑफिसर बकिल ने कहा.
“ग्लोरिया मेरा हुक्म मानती है, बैठो!” उन्होंने ग्लोरिया से कहा.
ग्लोरिया तुरंत बैठ गयी.

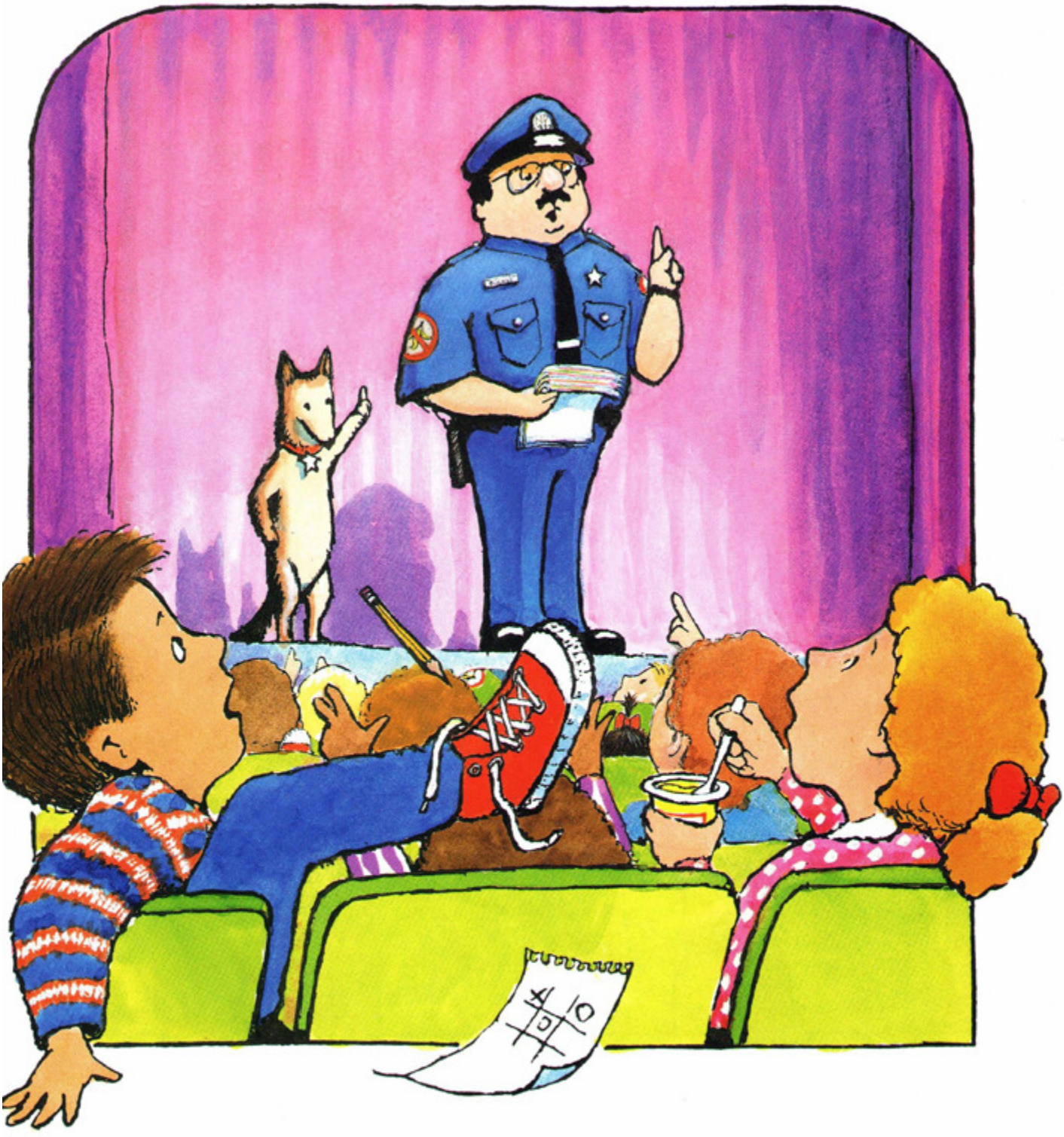

ऑफिसर बकिल ने सुरक्षा नियम नम्बर-1 बताया:

“जूतों के फीतों को हमेशा बाँधकर रखो!”

उसके बाद बच्चे बैठकर ऑफिसर बकिल को घूरने लगे.

ऑफिसर बकिल ने जांच की –
ग्लोरिया “अटेंशन” में बैठी है, या नहीं.
ग्लोरिया “फुल-अटेंशन” में बैठी थी.

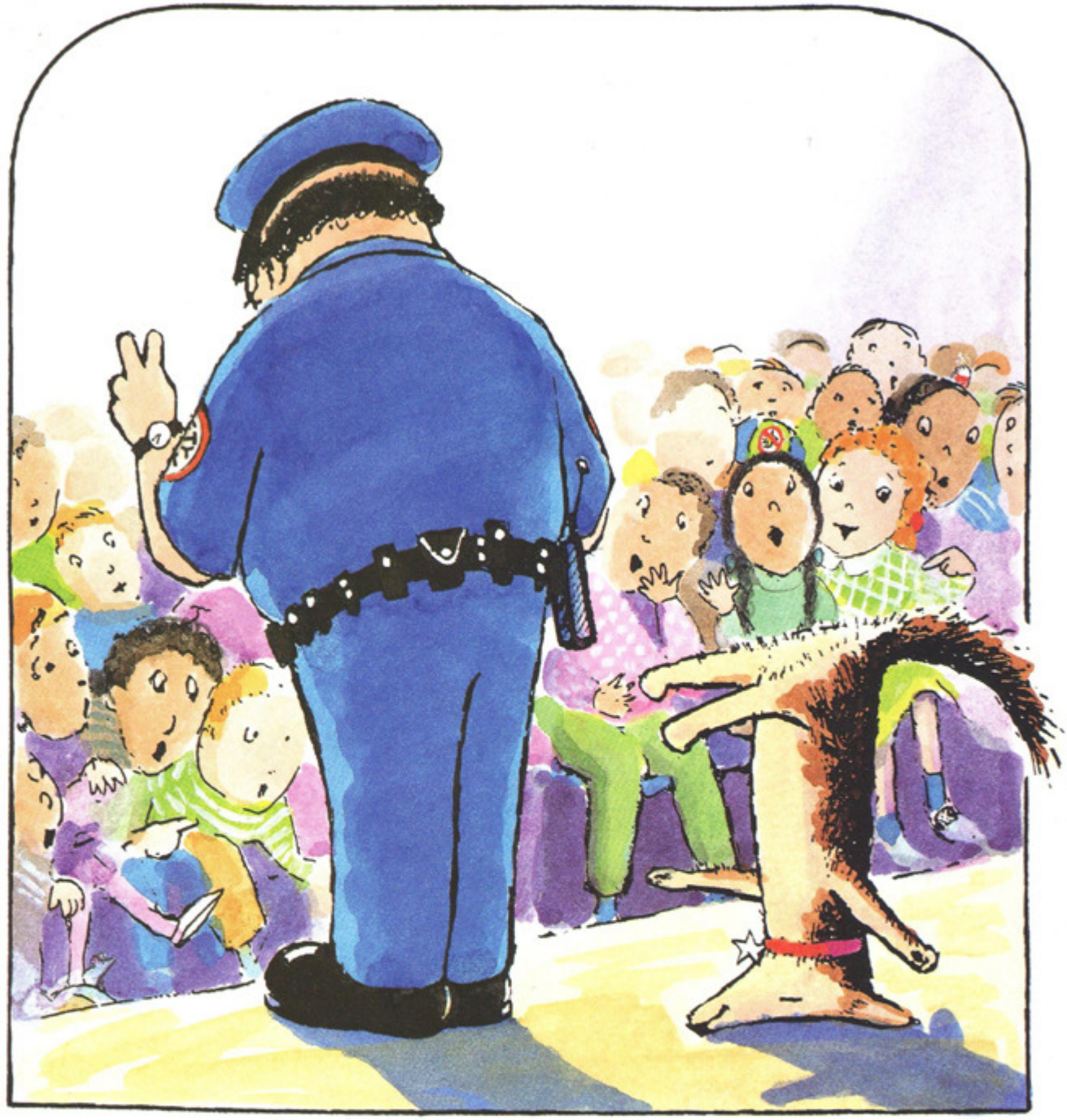

“सुरक्षा नियम नंबर-2,” ऑफिसर बकिल ने कहा.

“केले के छिलके को तुरंत उठाओ,

नहीं तो कोई उसपर फिसल सकता है!”

अब बच्चे उन्हें घूर-घूर कर देखने लगे.

ऑफिसर बकिल ने ग्लोरिया की फिर से जांच की.

“शाबाश, कुत्ते,” उन्होंने कहा.

फिर ऑफिसर बकिल को वो सुरक्षा नियम याद आया

जो उन्होंने उसी दिन सुबह सोचा था.

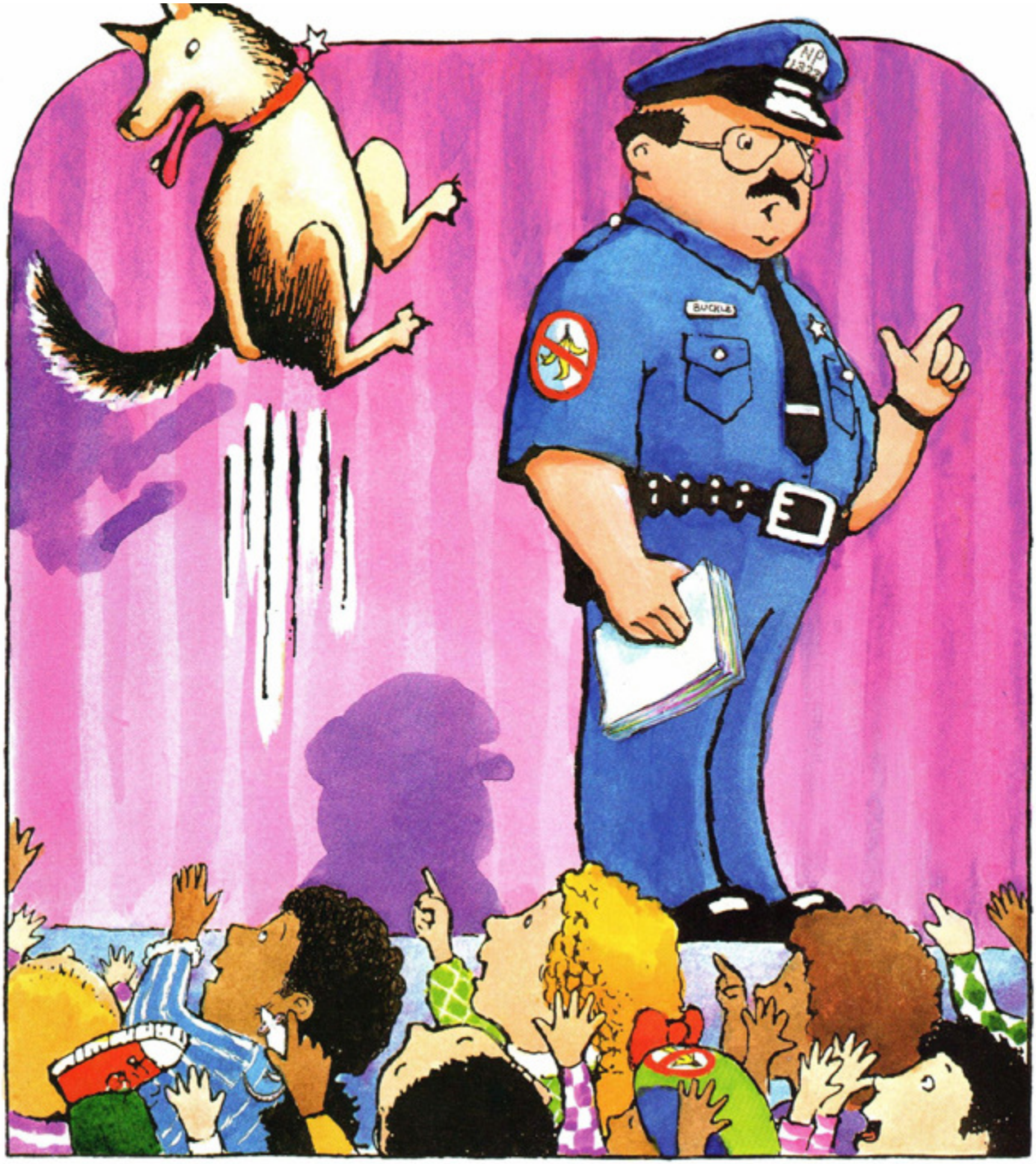

“किसी नुकीली कील को खुला मत छोड़ो,
क्यूंकि तुम खुद उसपर बैठ सकते हो!”
यह सुनकर सब बच्चे चिल्लाने लगे.

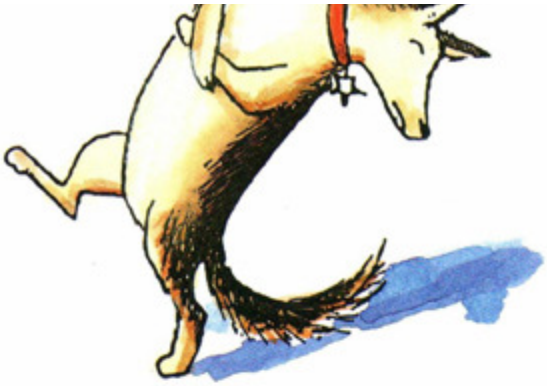

यह देख ऑफिसर बकिल बहुत खुश हुए.
फिर उन्होंने बाकी सुरक्षा नियम भी, बड़े नाटकीय ढंग से सुनाये.
बच्चों ने तालियाँ बजायीं और उनकी खूब वाहवाही की.
कुछ बच्चे इतना हँसे कि उनकी आँखों से आंसू निकलने लगे.
इससे ऑफिसर बकिल को काफी ताज्जुब हुआ. उन्हें इस बात का बिल्कुल अंदाज़ नहीं था कि सुरक्षा-नियम, बच्चों का इतना मनोरंजन करेंगे.
इस भाषण के बाद, स्कूल में एक भी दुर्घटना नहीं हुई.

अगले दिन पुलिस स्टेशन में एक बड़ा लिफाफा आया.

वो नपविल्ले स्कूल के बच्चों की चिट्ठियों से भरा था.

बच्चों ने अपने पत्रों में, ऑफिसर बकिल का आभार प्रगट किया था.

हरेक चिट्ठी में ग्लोरिया का चित्र बना था.

ऑफिसर बकिल को, बच्चों के बनाए चित्र बहुत कल्पनाशील लगे.

प्रिय ग्लोरिया और ऑफिसर बकिल, आपका स्कूल में आने के लिए बहुत धन्यवाद. आपका मित्र जॉर्ज

प्रिय ग्लोरिया और ऑफिसर बकिल, सुरक्षा नियम सिखाने के लिए आपका शुक्रिया – सप्रेम एंड्रू

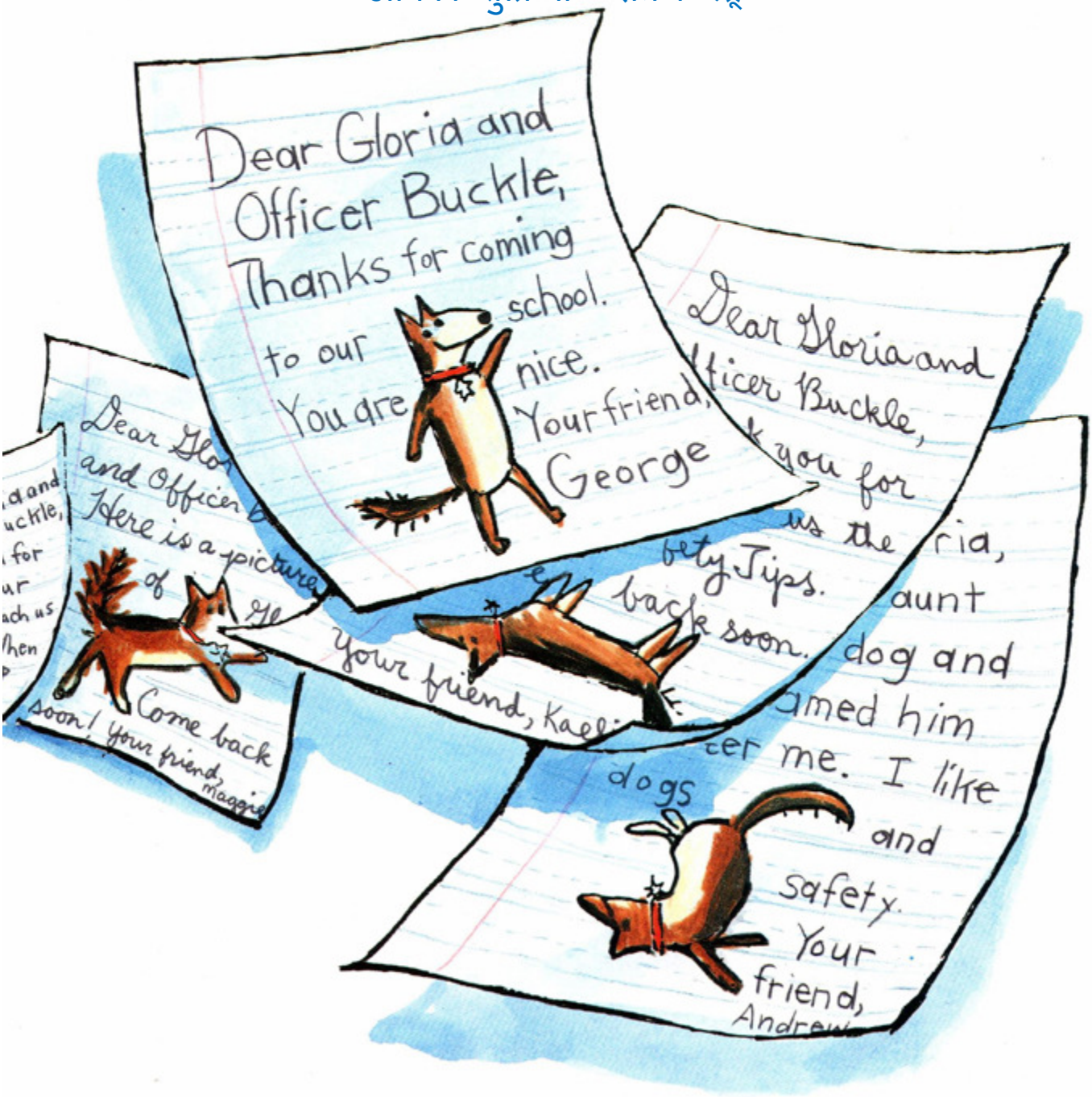

ऑफिसर बकिल का सबसे प्रिय पत्र
एक सितारे के आकार वाले कागज़ पर था.
उसमें लिखा था :

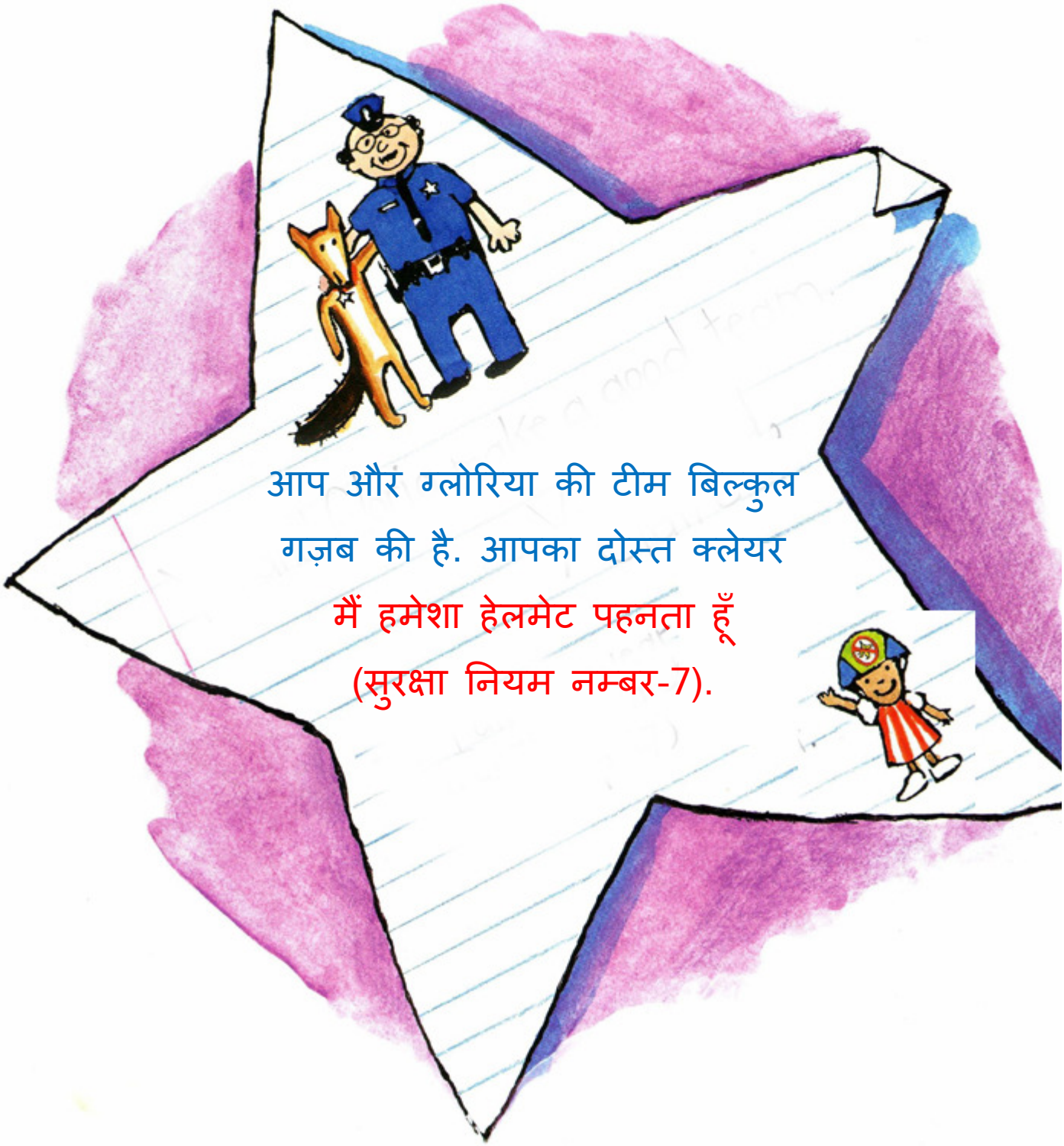

आप और ग्लोरिया की टीम बिल्कुल
गज़ब की है. आपका दोस्त क्लेयर
मैं हमेशा हेलमेट पहनता हूँ
(सुरक्षा नियम नम्बर-7).

ऑफिसर बकिल, क्लेयर की चिट्ठी को बोर्ड पर चिपका ही रहे थे,
कि फ़ोन बजने लगा, और फिर वो बजता ही रहा.
प्राइमरी-स्कूल, हाई-स्कूल, डे-केअर सेन्टर सभी
“सुरक्षा-भाषण” की मांग कर रहे थे.
“ऑफिसर बकिल,” सभी यह कह रहे थे,
“हमारे बच्चे आपके सुरक्षा नियम सुनने को बहुत इच्छुक हैं!
हाँ, पुलिस-कुत्ते - ग्लोरिया को अपने साथ ज़रूर लायें.”

उसके बाद ऑफिसर बकिल ने,
313 स्कूलों में सुरक्षा भाषण दिए.
वो और ग्लोरिया, हर जगह साथ गए.
बच्चों ने उनकी बातें बड़े ध्यान से सुनीं.

हरेक भाषण के बाद ऑफिसर बकिल,
ग्लोरिया को आइसक्रीम खिलाने ले जाते.
ऑफिसर बकिल, ग्लोरिया जैसे साथी
से मिलकर, बेहद खुश थे.

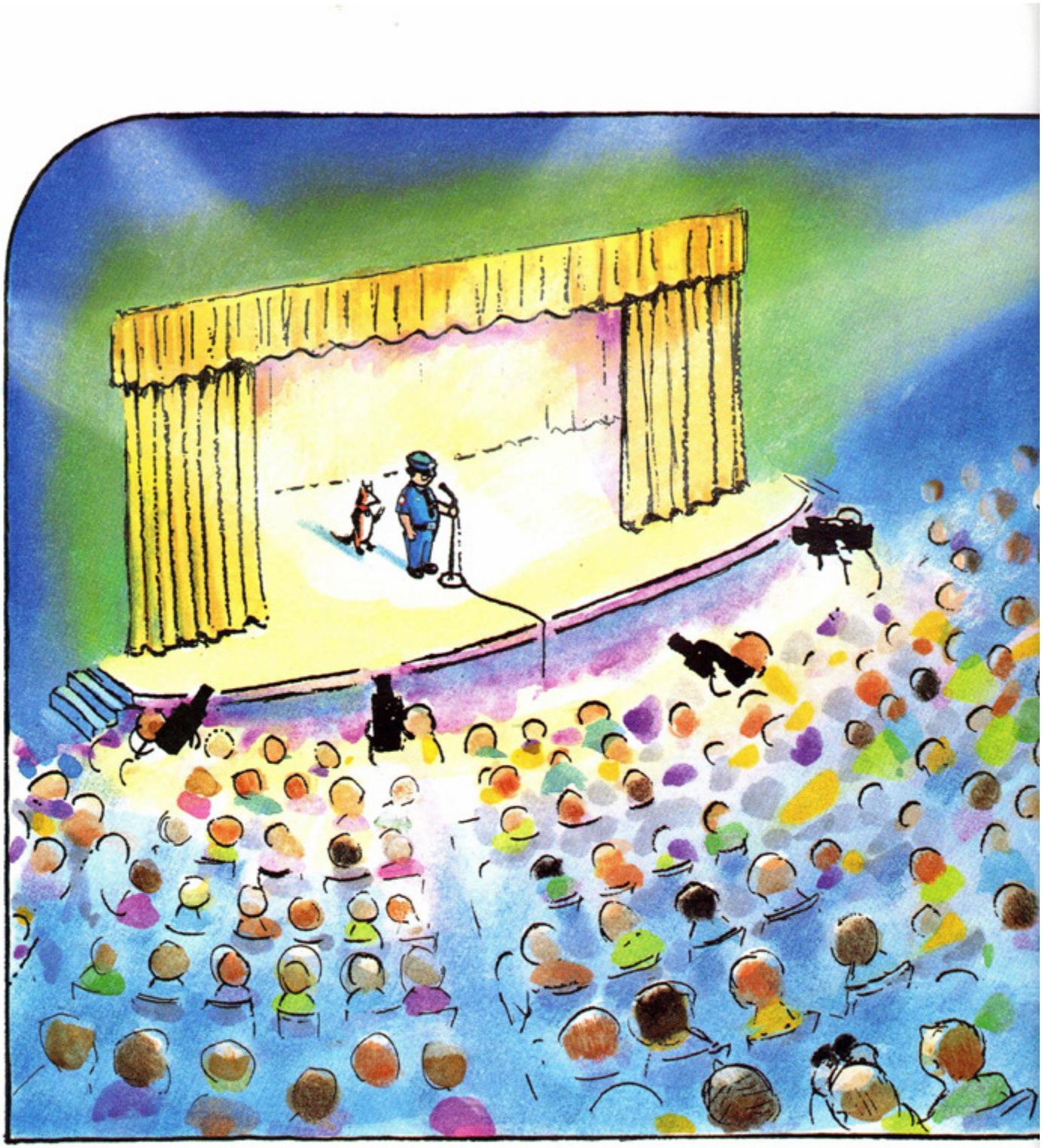

फिर एक दिन क्या हुआ?
एक टेलीविज़न चैनल ने कॉलेज में,
ऑफिसर बकिल के भाषण को, विडियो-टेप कर लिया.

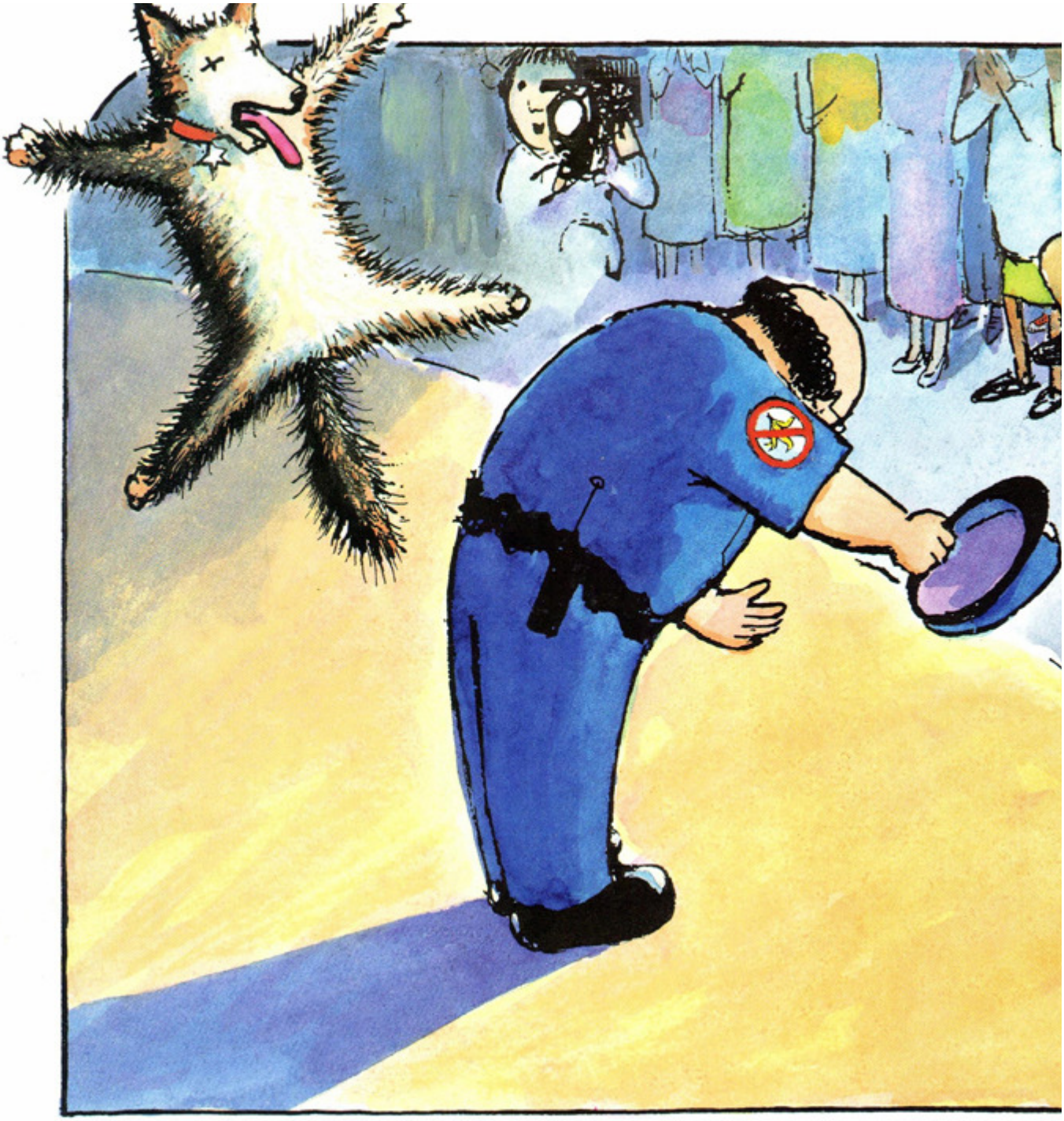

जब ऑफिसर बकिल ने, सुरक्षा नियम नम्बर-99
"बिजली और तूफ़ान के समय, तैरने मत जाओ!" ख़त्म किया
तब सब बच्चे ख़ुशी से कूदने लगे और तालियाँ बजाने लगे.

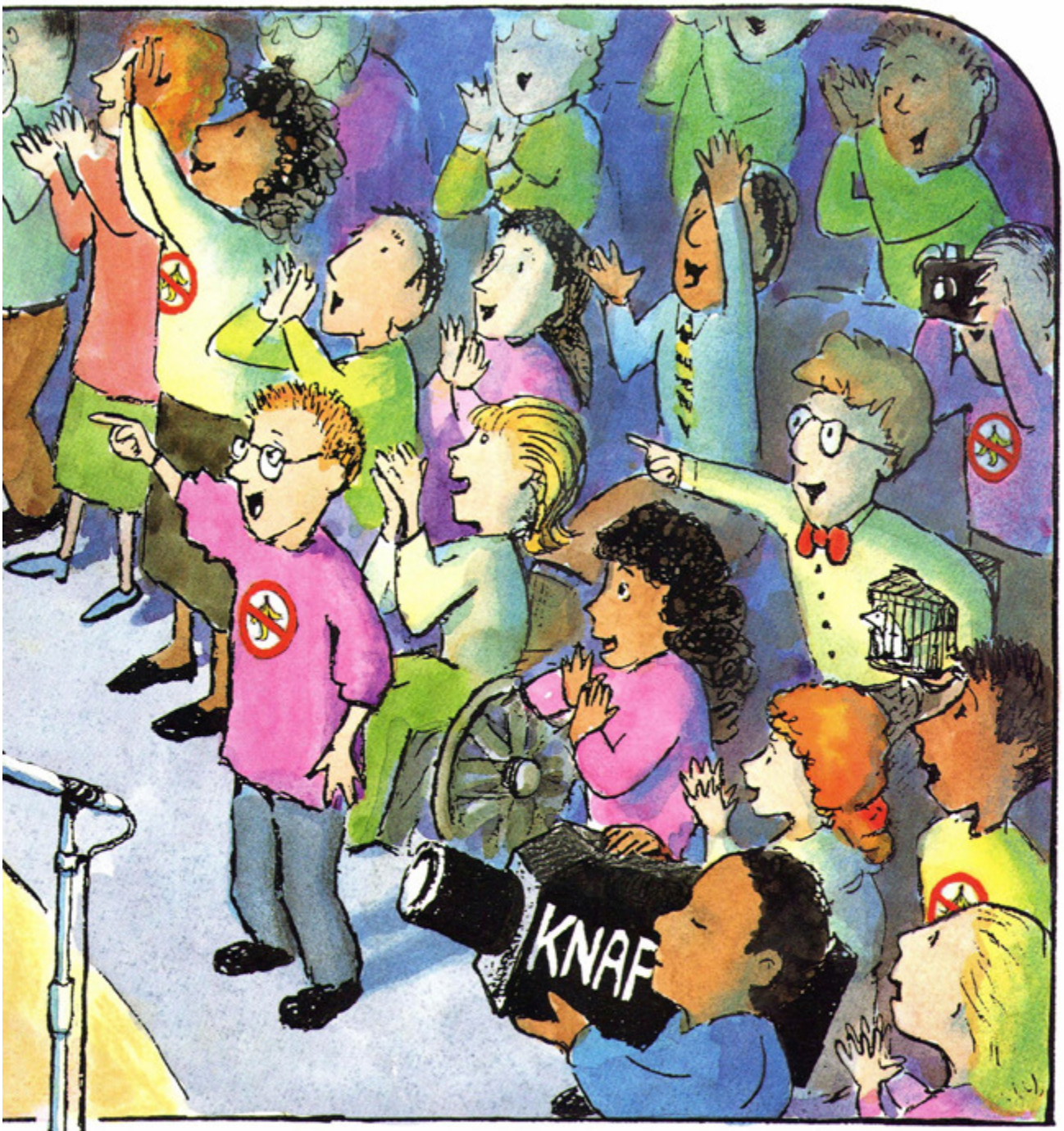

“क्या भाषण है! वाह-वाह!” बच्चे खुशी से चिल्लाये.
यह सुनकर ऑफिसर बकिल ने,
बार-बार झुक-झुककर,
बच्चों का अभिवादन किया.

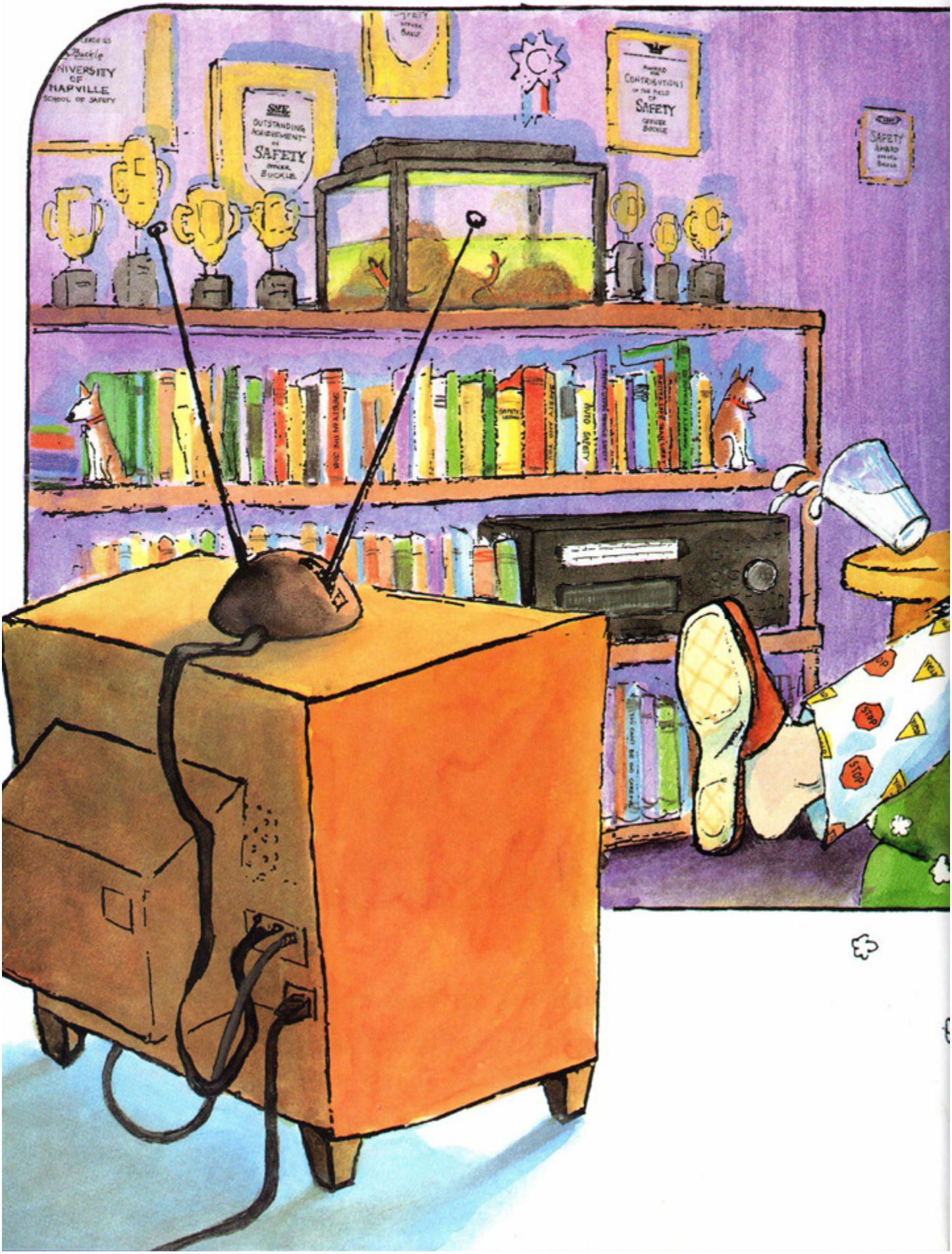

UNIVERSITY OF NAPVILLE
SCHOOL OF SAFETY
OUTSTANDING ACHIEVEMENT IN SAFETY
OFFICER BUCKLE
CONTRIBUTIONS
SAFETY
OFFICER BUCKLE
SAFETY AWARD
AUTO SAFETY
STOP

उस दिन रात 10-बजे,

टेलीविज़न समाचार में,

ऑफिसर बकिल ने खुद को देखा.

अगले दिन नपविल्ले स्कूल की प्रिंसिपल ने पुलिस स्टेशन
में फोन किया. “गुड मोर्निंग, ऑफिसर बकिल!
हमारे स्कूल में आपके सुरक्षा-भाषण का अब समय हो गया है!”
यह सुनकर ऑफिसर बकिल काफी नाखुश हुए.
“मैं अब और भाषण नहीं दूंगा! कोई मेरी ओर देखता तक नहीं है!”
“अच्छा,” मिसेज़ टोपेल ने कहा, “कोई बात नहीं! आप ग्लोरिया
को ही भेज दें. क्या ग्लोरिया स्कूल में आ सकती है?”

उस दिन कोई और अफसर ग्लोरिया को, कार में स्कूल ले गया.
ग्लोरिया को स्टेज पर बहुत अकेला लगा.
बोर होकर वो वहीँ पर सो गयी.
फिर क्या था, सब बच्चे भी सो गए.
ग्लोरिया के जाने के बाद,
नपविल्ले स्कूल में सबसे बड़ी दुर्घटना घटी ....

किसी का घी का हलवा, ज़मीन पर गिर गया.
फिर पूरा स्कूल फिसलता हुए मिसेज़ टोपेल से जा टकराया.
यह देखकर मिसेज़ टोपेल जोर से चीखीं,
और उनके हाथ से हथौड़ा छूट गया.

GLORY

अगले दिन पुलिस स्टेशन में फिर चिट्ठियों का एक गट्ठा आया.
हरेक पत्र में दुर्घटना का एक चित्र बना था.
उन्हें पढ़कर ऑफिसर बकिल को, भारी धक्का लगा.
चिट्ठियों के अंत में सितारे कागज़ पर एक नोट लिखा था.
उसे पढ़ कर ऑफिसर बकिल मुस्कुराये.
नोट में लिखा था:

“कल ग्लोरिया आपके
न आने से बहुत दुखी हुई! –
आपका दोस्त क्लेयर”
आप फ़िक्र न करें.
मैं अपना हेलमेट पहने था!
(सुरक्षा नियम नंबर 7)

फिर ग्लोरिया ने, ऑफिसर बकिल की
नाक पर एक पुच्ची दी.
ऑफिसर बकिल ने भी ग्लोरिया की पीठ थपथपाई.
उसके बाद ऑफिसर बकिल ने,

सुरक्षा नियम नम्बर-101

“हमेशा अपने साथी के साथ रहो!”

साबुन ज़मीन
पर मत छोडो.
कोई फिसल सकता है.

कार में कभी अकेले
मत खेलो.

बन्दूक,
पिस्तौल से
हमेशा दूर रहो.

सिगरेट से
हमेशा परहेज़
करो.

जूते और टॉ
हमेशा पलंग
के नीचे रखो

अपनी नाक में
कभी कुछ मत
डालो.

कार में बैठते वक्त
सीट-बेल्ट ज़रूर